# कार्यवृत्त

## शनिवार, 06 भाद्रपद, शक संवत्, 1943
## ( दिनांक : 28 अगस्त, 2021 )

खण्ड–60
अंक–6

विधान सभा का कार्य सभा मण्डप, देहरादून में दिन के 11:00 बजे श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुआ। श्री अध्यक्ष के निम्नलिखित उद्‌बोधन के साथ सतत् विकास लक्ष्यों पर चर्चा आरम्भ हुई। श्री अध्यक्ष ने कहा कि चतुर्थ विधानसभा के द्वितीय सत्र में आज एक और विशिष्ट उपलब्धि इस सम्मानित सदन के साथ जुड़ने जा रही है। आज हम इस सदन में **सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स यानी सतत् विकास लक्ष्यों** पर चर्चा करेंगे। मैं इस चर्चा को विशिष्ट तथा आज के दिन को ऐतिहासिक इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि संभवतः हमारी यह विधानसभा उत्तर–प्रदेश के बाद दूसरी ऐसी विधानसभा होगी, जिसने संपूर्ण उपवेशन इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए समर्पित किया है। इसके लिए मैं विशेषतौर पर नेता सदन तथा कार्य मंत्रणा समिति का आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इस विषय पर रुचि दिखाई और उपवेशन की अवधि को न सिर्फ एक दिन के लिए बढ़ाया, बल्कि समस्त उपवेशन को इस विषय पर चर्चा के लिए रखा। आप सभी माननीय सदस्यों का भी आभारी हूँ कि आज आप सभी प्रदेश के विकास से संबंधित इस अतिमहत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हेतु इस सम्मानित सदन में उपस्थित हैं।

चतुर्थ विधानसभा द्वारा इस सदन में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां अर्जित की गई हैं। सदन में 25 से अधिक बार प्रश्नकाल के दौरान सभी तारांकित प्रश्न उत्तरित हुए हैं। यह अपने आप में एक विशिष्ट उपलब्धि है। चतुर्थ विधानसभा के सभी उपवेशनों में सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई। कई ऐतिहासिक विधेयक इस सदन में पारित हुए। दिनांक 15 जून 2017 को विधानसभा के इतिहास में सबसे अधिक लंबे समय तक सत्र संचालन, रात्रि 11.50 बजे तक का रिकार्ड भी बना तथा दिनांक 24 मार्च, 2018 को गैरसैंण में पहली बार शनिवार को भी सत्र का संचालन हुआ। अधिकतर उपवेशन बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुए, यह भी अपने आप में एक रिकार्ड है। कोविड महामारी के इस दौर में भी हमारी विधानसभा के सत्र न सिर्फ नियमित अंतराल पर संचालित हो रहे हैं बल्कि आप सभी माननीय सदस्यगण जनता की दुख–तकलीफों तथा जनहित से जुड़े विषयों की तरफ कार्यपालिका का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, इसके लिए आपको साधुवाद देता हूँ। इस दौरान हमने माननीय विधायकों को वर्चुअल रूप से सम्मिलित करते हुए सत्रों का आयोजन किया तथा मा0 विधायकों के प्रश्नों को ऑनलाइन ईमेल से स्वीकार करने की अनुमति प्रदान की, जिसमें आप सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। आप सभी के सहयोग के बिना इतना सब कर पाना संभव नहीं था।

कोविड काल में हमने विधान सभा में कोविड कंट्रोल रूम की स्थापना की और आप सभी मा0 सदस्यों तथा नागरिकों की जो भी शिकायतें तथा सुझाव कंट्रोल रूम में प्राप्त हुए, उन्हें कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया तथा यह भी सुनिश्चित किया गया कि उन पर तय समय में कार्रवाई हो। कोविड महामारी के खिलाफ जंग में हमारे डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा प्रदान की गईं सेवाओं तथा युद्धस्तर पर चल रही वैक्सीनेशन ड्राइव के लिए इस सदन के माध्यम से हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। उनकी निस्वार्थ सेवा, त्याग और समर्पण को देखते हुए मैं इतना कह सकता हूं कि हम कोरोना वायरस के खिलाफ इस जंग को जरूर जीतेंगे।

दिनांक 23 मार्च, 2017 को विधानसभा अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत आपके आशीर्वाद से कई पहल संपन्न हो पाईं, जिसके चलते हमारी यह विधानसभा एक अग्रणी विधानसभा के रूप में पूरे देशभर में पहचानी जाने लगी है। सर्वप्रथम हमने विधानसभा परिसर में पान, गुटका एवं धूम्रपान को पूर्णतः निषेध किया। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों को विधानसभा के सभी कार्यालयों में लगवाया गया, जिसके बाद राज्य सरकार ने भी प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में बाबा साहेब के चित्र लगाने के निर्देश दिए। देववाणी संस्कृत के उत्थान के लिए विधानसभा में सभी कार्यालयों में नाम पट्टिकाएं हिंदी के साथ–साथ संस्कृत में भी लिखवाई गईं। विधान सभा की संस्कृत उन्नयन समिति का भी गठन किया गया, जो संस्कृत के उत्थान की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। आप सभी के सहयोग से हमने दिसंबर 2019 में भारत में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों का अभूतपूर्व सम्मेलन आयोजित किया।

दिनांक 21 जून, 2018 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से प्रेरित होकर हमने हर महीने की 21 तरीख को विधानसभा में योग करने का संकल्प लिया और यह कार्यक्रम गत 38 महीनों से अनवरत जारी है। हमारे देश की आन–बान–शान का प्रतीक 101 फीट ऊंचा तिरंगा हमारी विधानसभा परिसर में लहरा रहा है। इस तिरंगे को देखते ही मैं समझता हूँ कि हम सभी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता होगा। विधानसभा परिसर में माँ नंदा राजजात के भित्ती चित्र लोगों को अपनी ओर आकर्षित तो कर ही रहे हैं, साथ ही उत्तराखंड की संस्कृति से भी लोगों को रूबरू करवा रहे हैं। महिला सशक्तीकरण को लेकर हमने फरवरी 2020 में विधानसभा सचिवालय की महिला कार्मिकों हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया, जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि चतुर्थ विधानसभा में गैरसैंण को लेकर कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। हर वर्ष दिनांक 15 अगस्त, 2017 को पहली बार भराड़ीसैंण विधानसभा में ध्वजारोहण किया गया। वहां पर हर वर्ष सत्र आयोजित हो रहे हैं। दिनांक 04 मार्च, 2020 को सरकार ने भराडीसैंण, गैरसैंण को राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया। प्रदेश की जनता तथा राज्य आंदोलनकारियों के लिए मैं समझता हूं कि यह एक बहुत बड़ी सौगात है। उस ऐतिहासिक क्षण के हम भी साक्षी बने। इस अवसर पर मैं विधानसभा के पूर्व अध्यक्षों का भी आभार व्यक्त करता हूँ कि आपके द्वारा इस सदन में गरिमापूर्ण संसदीय आदर्शों एवं परंपराओं की नींव को रखा गया। इन उपलब्धियों को मैं देवभूमि की देवतुल्य जनता तथा आप सभी सम्मानित सदस्यों को समर्पित करता हूँ। इस सदन में आप सभी ने उच्च संसदीय परंपराओं को न सिर्फ कायम रखा बल्कि उन्हें और अधिक समृद्ध बनाने में हर पल अपना सहयोग प्रदान किया।

माननीय सदस्यगण, अब मैं सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर बहुत संक्षेप में अपनी बात रखना चाहता हूँ। एसडीजी की जो परिकल्पना थी तथा जो लक्ष्य इसके तहत निर्धारित किए गए थे, उनको मैं आपके सम्मुख रखूंगा। फिर हम इस पर सार्थक और सारगर्भित चर्चा को आगे बढ़ाएंगे।

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदार चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

यह अपना बंधु है और यह अपना बंधु नहीं है, इस तरह की गणना छोटे चित्त वाले लोग करते हैं। उदार हृदय वाले लोगों की तो संपूर्ण धरती ही परिवार है।

उपनिषद का यह श्लोक भारतीय चिंतन का एक स्वर्णिम अध्याय है। जब–जब मैं सतत् विकास लक्ष्यों के बारे में सोचता हूँ, तब–तब मेरे मन–मस्तिष्क में वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र गुंजायमान हो उठता है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के मूल में भी तो यही भाव है। यह विश्व एक परिवार है और सबका कल्याण कैसे हो, कैसे सभी के जीवन स्तर में सुधार आए, यही इनका लक्ष्य है।

सितंबर 2000 में यूनाइटेड नेशन्स ने मिलेनियम समिट किया था और उसमें 198 देशों ने एकमत होकर 08 मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्स यानी सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य तय किए थे। इन लक्ष्यों को 2015 तक पूरा किया जाना था। 2015 में सभी देश लक्ष्यों की समीक्षा करने के लिए एकत्रित हुए। कई उपलब्धियां इस दौरान विभिन्न राष्ट्रों ने हासिल कीं और इसके काफी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले, लेकिन यह भी महसूस किया गया कि अभी काफी कुछ और करने की आवश्यकता है।

दिनांक 25 से 27 सितंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने विकास के 17 लक्ष्यों को आम सहमति से स्वीकार किया, जिन्हें सतत् विकास लक्ष्य नाम दिया गया तथा अगले 15 वर्षों में इन्हें पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया। इसके तहत इस धरती से भुखमरी और गरीबी को खत्म करने, लोगों को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, सभी देशों में शांति और न्याय का वातावरण स्थापित करने, असमानता को मिटाने, पर्यावरण संरक्षण आदि 17 लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। ये लक्ष्य, ''कोई पीछे नहीं छूटे'' के सिद्धांत पर आधारित हैं तथा सभी राष्ट्रों को इन्हें हासिल करना है। यूएनडीपी की निगरानी और संरक्षण में सभी राष्ट्र इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं।

सतत् विकास लक्ष्यों को हासिल करने में भारत में बहुत सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। नीति आयोग नोडल एजेंसी के रूप में इन लक्ष्यों के कियान्वयन पर निगरानी तथा समन्वय का कार्य कर रहा है। नीति आयोग द्वारा इन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं चिन्हित की गई हैं। उत्तराखंड ने भी इन लक्ष्यों

को हासिल करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता जताई है तथा राज्य स्तर पर 371 तथा जनपद स्तर पर 132 संकेतांक चिन्हित किए गए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड सरकार द्वारा दिसंबर 2018 में राज्य विजन दस्तावेज 2030 जारी किया गया था, जो इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। मेरे मत में विधायिकाएं इन लक्ष्यों की प्राप्ति में महति भूमिका निभा सकती हैं। जनप्रतिनिधि समीक्षात्मक, परामर्शीय, सहभागी एवं साधन सुलभकर्ता के रूप में अपना योगदान देकर इन लक्ष्यों को हासिल करने में अपना योगदान दें, ऐसा हमारा ध्येय होना चाहिए।

हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन, **सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास** एक तरीके से सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति का मूल मंत्र भी है। सतत् विकास लक्ष्यों को लेकर लोकसभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला भी चिंतनशील रहते हैं और उनका मानना है कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में विधायिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं, इसलिए सदन में इस विषय पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

सतत विकास के ये लक्ष्य मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को कवर करते हैं। यदि ये लक्ष्य निर्धारित समय के भीतर हासिल कर लिए जाते हैं तो मैं समझता हूँ कि दुनिया के सभी मुल्कों में हर नागरिक का जीवन आसान होगा और उन्हें जीने के बेहतर विकल्प मिलेंगे। आज इस सदन में हमें इन लक्ष्यों को हासिल करने को लेकर अपने दायित्वों को भी समझना होगा। मैं समझता हूँ कि आज इस अति महत्वपूर्ण विषय पर हमारे इस सम्मानित सदन में सारगर्भित तथा एक पॉजीटिव चर्चा होगी। हम सबने मिलकर यह देखना है कि हम कैसे अपनी भूमिका निभा सकते हैं। ये लक्ष्य सामूहिक प्रयासों के जरिये ही हासिल किए जा सकते हैं। जनहित की योजनाओं का लाभ जनता को मिले, यह सुनिश्चित हम सभी लोग कर सकते हैं। यहां विभिन्न योजनाओं पर आप सब चर्चा करें। धरातल पर उन्हें लागू करने में जो–जो कठिनाइयां आप सभी महसूस करते हैं, उन्हें अपनी चर्चा में यहां पर उजागर करें। योजनाओं का पूरा लाभ लोगों को मिले इसके लिए सदन के माध्यम से कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। आपसे निवेदन है कि हम कैसे इन लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में और बेहतर कार्य कर सकते हैं, इसको लेकर भी अपने अमूल्य सुझाव दें।

मा0 संसदीय कार्यमंत्री ने चर्चा प्रारम्भ की।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों ने भी विचार व्यक्त कियेः–

1. मा0 संसदीय कार्यमंत्री,
2. श्री करन माहरा,
3. श्री देशराज कर्णवाल,
4. श्री सुरेश राठौर,
5. श्री बलवन्त सिंह भौंर्याल,
6. श्री प्रीतम सिंह पंवार,

(12 बजकर, 25 मिनट पर श्री उपाध्यक्ष पीठासीन हुए)

7. श्री महेन्द्र भट्ट,
8. श्री संजय गुप्ता,
9. श्री विनोद चमोली,
10. श्री राजकुमार,
11. श्री खजान दास,

(01 बजकर, 22 मिनट पर श्री अध्यक्ष पीठासीन हुए)

12. श्री हरबंस कपूर,
13. श्री राम सिंह कैड़ा,
14. श्री गणेश जोशी,

सदन की कार्यवाही 01 बजकर 57 मिनट पर भोजनावकाश हेतु 03:00 बजे तक के लिये स्थगित हुई।

सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में 03:00 बजे पुनः आरम्भ हुई।

श्री धन सिंह नेगी के भाषण से सतत् विकास लक्ष्यों पर चर्चा आगे आरम्भ हुई।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों ने भी विचार व्यक्त कियेः–

1. श्री मुकेश कोली,
2. श्रीमती चन्द्रा पन्त,
3. श्री आदेश चौहान,
4. श्रीमती ममता राकेश,
5. श्रीमती ऋतु भूषण खण्डूडी,
6. श्री सुबोध उनियाल,

(04 बजकर, 30 मिनट पर श्री उपाध्यक्ष पीठासीन हुए)

7. श्री मनोज रावत,
8. श्री केदार सिंह रावत,
9. श्री सतपाल महाराज,
10. श्री अरविन्द पाण्डे,
11. श्री मुन्ना सिंह चौहान,

(05बजकर, 30 मिनट पर श्री अध्यक्ष पीठासीन हुए)

12. काजी मौ0 निजामुद्दीन,
13. कुंवर प्रणव सिंह चैम्पियन,

मा0 मुख्यमंत्री ने चर्चा का उत्तर दिया, उन्होंने सरलता, समाधान और निस्तारण का मंत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड तेजी से सतत् विकास लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है तथा जो भी सुझाव मा0 सदस्यों ने दिये हैं सरकार उनका संज्ञान लेगी और यथावश्यक कार्यवाही करेगी।

श्री अध्यक्ष ने कहा कि अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आज इस सम्मानित सदन ने सम्पूर्ण मानव जाति के उत्थान के लिए समर्पित सतत् विकास लक्ष्यों पर चर्चा की। आज जब पूरा विश्व इन लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर है तो उत्तराखण्ड की इस सम्मानित सभा के मा0 सदस्यों द्वारा इस विकास मन्थन के माध्यम से समृद्धि रूपी अमृत निकालने का कार्य किया गया। इस धरती पर मानव जाति की उत्तरजीविता का सबसे बड़ा आधार का यही मंथन है। हमने जीवन के प्रारम्भ से ही जीवन की बेहतरी कैसे हो, इस संबंध में विचार किया और प्रभावी उपाय खोजे।

यह हर्ष का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में विश्व का अधिकांश भाग आज युद्ध नहीं वरन विकास लक्ष्यों के माध्यम से शांति और विकास के विषय में सोच रहा है। इन लक्ष्यों पर प्रतिपल विश्व में कही न कहीं कार्य होता रहता है। आज जब हम उत्तराखण्ड विधान सभा में इन सत्रह लक्ष्यों के विषय में चर्चा कर रहे हैं तो वहीं विश्व के 8 देशों के वर्किगं ग्रुप के सदस्य देश जिसमें भारत भी सम्मलित है, लक्ष्य **संख्या–13**, ''जलवायु परिवर्तन एवं उनके प्रभावों का सामना करने हेतु यथावश्यक कार्यवाही करना'' विषयक लक्ष्य की प्राप्ति के संबंध में अति महत्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र क्लाइमेट चैंज कान्फ्रेंस आफ पार्टीज के आगामी होने वाले सम्मेलन हेतु ऑनलाइन तैयारी बैठक कर रहे हैं।

आज की इस विशेष चर्चा में सभी विद्वान मा0 सदस्यों के बहुमूल्य विचार सामने आए, सतत् विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति कैसे हो सके, इस पर सम्मानित सदस्यों के अति महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए।

सबसे महत्वपूर्ण विशेषता आज की इस चर्चा की यह रही कि सभी मा0 सदस्यों ने पार्टी लाईन से ऊपर उठकर बिना किसी व्यवधान के आम जनता के हित में अपनी बात रखी और अपने इस प्रदेश के भविष्य के विषय में अपनी सोच और सुझाव प्रस्तुत किए। मेरी आशा है कि सरकार इन सुझावों को सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के अपने एजेण्डा में सम्मिलित करेगी।

मैं आज के इस उपवेशन में हुई इस अत्यन्त सकारात्मक चर्चा के लिए आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ विशेषकर मा0 नेता सदन का जिनकी भागीदारी पूरे सत्र में प्रभावी रूप से रही और विश्वास करता हूँ

कि हम इसी प्रकार सार्थक विचार विमर्श से लोकतंत्र के इस मन्दिर की गरिमा, आन बान और शान को बरकरार रखने में सहयोग करते रहेंगे।

सदन के पीठासीन अधिकारी के रूप में लक्ष्य संख्या–17 ''सतत् विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को बल देना एवं क्रियांवयन के माध्यमों को बलशाली बनाने'' के संबंध में मेरा एक सुझाव है कि विधायिका के प्रतिनिधिमंडल जिसमें मा0 सदस्य तथा सम्बन्धित अधिकारीगण सम्मिलित हो, न केवल भारत की अन्य विधायिकाओं के साथ आपस में दौरा कर भागीदारी करें वरन विश्व की अन्य विधायिकाओं का भी दौरा करें तथा उन्हें अपने यहॉ आमंत्रित करें। इससे लक्ष्य की प्राप्ति में प्रभावी आपसी संवाद और भागीदारी संभव होगी तथा लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रयासों में एकरूपता आयेगी। जैसा कि सदन के संज्ञान में आया है राज्य सरकार द्वारा इन लक्ष्यों के लिए संकेतांक बनाए गये है। मेरे मत में यदि एक निश्चित अन्तराल निर्धारित करते हुए सदन में एक रिपोर्ट प्रस्तुत हो जिसमें इन संकेतांकों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत हो तो सदन में उस पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

जैसा कि **महान कवि मैथिली शरण गुप्त ने कहा** भी था कि

**'' हम क्या थे, क्या हो गये हैं, और क्या होंगे अभी,**

**आओ मिलकर विचारें ये समस्याएं सभी ''**

इसके माध्यम से लक्ष्यों की प्राप्ति में उत्तराखण्ड की विधायिका का योगदान भी सुनिश्चित हो सकेगा। मुझे बहुत खुशी है कि एसडीजी के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हमारे प्रदेश का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। अभी हमारी तीसरी रैंक है और मैं चाहता हूं कि आज हम सभी इस सम्मानित सदन में उत्तराखंड को नंबर वन बनाने का संकल्प लें। मुझे उम्मीद ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस लक्ष्य को भी हम जल्द प्राप्त कर लेंगे।

नागरिक धर्म का एक महत्वपूर्ण विचार चर्चा के दौरान उपस्थित हुआ। मेरे मत में सम्पूर्ण सदन एकमत होगा कि जहॉ सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति का दायित्व उसके विभिन्न विभागों का है परन्तु आम नागरिक के रूप में हमारा भी कर्तव्य है कि हमें अपने नागरिक धर्म का ईमानदारी से पालन करना होगा और इन लक्ष्यों की प्राप्ति में अपने दायित्व को निभाना होगा। ताकि देश प्रदेश में विकास की गंगा बह सके और कवि गुप्त के शब्दों में हम सार्थक रूप में कह सकें,

''भू लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लोक स्थल कहां,
फैला मनोहर गिरि हिमालय, और गंगाजल कहां,
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है।
उसका कि जो ऋषि भूमि है वह कौन,
भारतवर्ष है।''

मैं, हर्षपूर्वक सम्मानित सदन को सूचित करना चाहता हूँ कि आज इस सत्र का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इसके लिए मैं, मा0 नेता सदन, मा0 मंत्रीगण, मा0 सदस्यगण का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ।

मैं, शासन, प्रशासन, पुलिस बल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सूचना विभाग के कार्मिकों का सदन में उनकी कुशल सेवाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

मीडिया के बन्धुओं का मैं आभार व्यक्त करता हूँ। उनको हम सभा मण्डप में कोरोना के कारण दीर्घाओं में स्थान नहीं दे पाये। आशा है कि भविष्य में स्थितियां सुधरेंगी और वे दीर्घाओं से कवरेज कर पायेंगे।

अन्त में मैं, विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों/कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने सदन की समस्त व्यवस्थायें सुचारू रूप से संचालित की।

**संसदीय कार्य मंत्री ने प्रस्ताव किया कि इस सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक के लिये स्थगित की जाय। प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।**

''राष्ट्रगान'' के उपरान्त सदन का उपवेशन 06 बजकर 59 मिनट पर अनिश्चितकाल के लिये स्थगित हुआ।

मुकेश सिंघल,
सचिव (प्रभारी)
विधान सभा।

स्वीकृत,

प्रेम चन्द अग्रवाल,
अध्यक्ष,
विधान सभा।